ShaneNabi.In
Best Sunni Islamic Website
And Youtube Channel

# दिल ये बेचैन रहने लगा आज कल

## (हिन्दी नात लीरिक्स)

*लिखा है: नहीं मालूम*

Follow us on social:

https://youtube.com/@shanenabi
https://www.facebook.com/shanenabi.in
https://www.instagram.com/shanenabi.in
https://twitter.com/ShaneNabi_In

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in
This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in

दिल ये बेचैन रहने लगा आज कल,
ये ना पूछो की इस दिल को क्या चाहिए
न दवा चाहिए न शिफा चाहिए,
रौज़ ए मुस्तफा की हवा चाहिए।

है मेरा पीर अख़्तर रज़ा अज़हरी,
जिनको कहते हैं ताजुश्शरिया सभी
हैं सभी अपनी जगह मोहतरम,
पर मुझे मेरा अख़्तर रज़ा चाहिए।

अपनी जन्नत के नज़दीक जाया करो,
पांव मां बाप के तुम दबाया करो
अपने मां बाप को ना सताया करो,
गर तुम अपने अपने रब की रज़ा चाहिए।

दिल ये कहता हैं आएंगे आएंगे वो,
अपनी सूरत मुझे भी दिखाएंगे वो
देखना हो अगर रुए खैरुल वारा,
लब पे हर वक्त सल्ले अला चाहिए।

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in
This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in

शायरी भी ऐ काशिफ निखर जाएगी,
आखिरत भी यक़ीनन संवर जाएगी
इश्क़े हस्सान दिलों में पैदा करो,
साथ में फ़िकरे अहमद रज़ा चाहिए।

© ShaneNabi.In